>

Title: Need to take effective steps to check damage to crops caused by Neel Gai and Wild Boars in Sabarkantha Parliamentary Constituency, Gujarat.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): सभापति महोदया, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं साबरकांठा गुजरात से आता हूं। मेरा पूरा क्षेत्र कृषि और पशुपालन पर आधारित है। वहां समस्या यह है कि जब फसल तैयार होती है तो पहाड़ी क्षेत्र से और जंगल के एरिया से जंगली पशु - नीलगाय, सुअर आदि आते हैं और वे पूरी फसल को बर्बाद कर देते हैं। इससे तैयार हुआ पार्क बर्बाद हो जाता है। किसान और उसके परिवार के आंखों के आंसू हम देखते हैं, तो हिल जाते हैं। वहां परिस्थिति बहुत खराब है। आज किसान खेती छोड़ने पर मजबूर हो रहा है। वह सोच रहा है कि अगर हम शहर में जाएं कि तो थोड़ी सी मजदूरी मिलेगी। इसलिए मेरी आपके माध्यम से वन मंत्री से अनुरोध है कि यह पैदाइश और संपति आपकी है, इसलिए उसे पहाड़ या जंगल में रोका जाए। वहां तार लगाए जाएं, इसमें एसी, डीसी करेंट लगाकर या कोई बड़ा खड्डा करके उसे रोका जाए, ताकि किसान ने जो फसल मेहनत करके तैयार की है, उसे बचाया जाए। इस तरह से किसान, गांव और उनके परिवार को बचाया जाए।